

315  
12/15

संख्या- 393 /XV-3/2017-08(06)/2014 (बजट)

प्रेषक,

आर० मीनाक्षी सुन्दरम्,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
मत्स्य विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-03 (मत्स्य)

देहरादून: दिनांक 21 अगस्त, 2017

विषय- पर्वतीय क्षेत्रों में आदर्श मत्स्य तालाब निर्माण योजनान्तर्गत वर्ष 2017-18 में धनराशि अवमुक्त किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-3723/आदर्श म०ता०नि०यो०/2017-18, दिनांक 05.08.2017 एवं संख्या-3307/आदर्श म०ता०नि०यो०/2017-18, दिनांक 19.07.2017 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2017-18 में मत्स्य विभाग की पर्वतीय क्षेत्रों में आदर्श मत्स्य तालाब निर्माण योजना (राज्य सेक्टर) में कुल प्राविधानित धनराशि ₹ 30.00 लाख (₹ तीस लाख मात्र) में से पूर्व में स्वीकृत ₹ 10.00 लाख की धनराशि के उपरान्त अवशेष धनराशि ₹ 20.00 लाख के सापेक्ष ₹ 20.00 लाख (₹ बीस लाख मात्र) की वित्तीय स्वीकृति संलग्न विवरणानुसार प्रदान करते हुये निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वतन पर रखते हुए इसे आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-610/3(150)XXVII(1)/2017, दिनांक 30.06.2017 एवं सुसंगत शासनादेशों में दिये गये दिशा-निर्देशों एवं प्रतिबन्धों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
2. निदेशक, मत्स्य द्वारा अवमुक्त की जा रही धनराशि को संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार आहरण एवं वितरण अधिकारियों द्वारा वितरित किया जायेगा तथा तदनुसार शासन को अवगत कराया जायेगा।
3. स्वीकृत धनराशि का उपयोग शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता संबंधी आदेशों व वित्तीय हस्तपुस्तिका में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत किया जायेगा।
4. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत व्यय की सूचना (कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक) प्रतिमाह 5 तारीख तक बी०एम०-08 प्रपत्र पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
5. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों एवं क्रय संबंधी शासनादेशों का पालन किया जायेगा। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

क्रमशः.....2

6. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए।
7. जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जायें, उनमें स्पष्टरूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जाय।
8. धनराशि का उपयोग उपरान्त कराये गये कार्यों की योजनावार/लाभार्थीवार/ग्रामवार सूची एवं व्यय का विवरण शासन/नियोजन विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
9. उक्त योजनान्तर्गत पूर्व में अवमुक्त की गयी धनराशि की भौतिक/वित्तीय प्रगति, उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने उपरान्त ही अवमुक्त की जा रही धनराशि व्यय की जायेगी।
10. योजना के सम्बन्ध में उपयोगिता प्रमाण पत्र फोटोग्राफ सहित शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

2- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान संख्या-28 में लेखाशीर्षक-2405-मछलीपालन-101-अन्तर्देशीय मछली पालन-02-पर्वतीय क्षेत्रों में आर्दश मत्स्य तालाब निर्माण योजना-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के नामें डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-610/3(150)XXVII(1)/2017, दिनांक 30.06.2017 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं। आदेश द्वारा स्वीकृत धनराशि के आहरण हेतु Allotment ID-S1708280207, दिनांक 21.08.2017 की प्रति संलग्न कर प्रेषित की जा रही है।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,


(आर० मीनाक्षी सुन्दरम्)  
सचिव

संख्या- 393 (1)/XV-3/2017-08(06)/2014 (बजट), तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड (हरिद्वार एवं उधमसिंहनगर को छोड़कर)।
4. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड (हरिद्वार एवं उधमसिंहनगर को छोड़कर)।
5. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. निदेशक, बजट राजकोषीय एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

  
(वी०एस० पुण्डीर)  
उप सचिव

क्रमशः.....3

शासनादेश सं०-393 /XV-3/2017-08(06)/2014, दिनांक 21 अगस्त, 2017 का संलग्नक

वित्तीय वर्ष 2017-18 में पर्वतीय क्षेत्रों में आर्दश मत्स्य तालाब निर्माण योजनान्तर्गत अवमुक्त की जा रही धनराशि ₹ 20.00 लाख के सापेक्ष वित्तीय तथा भौतिक लक्ष्यों का निर्धारण:-

(धनराशि ₹ लाख में)

क्र० सं०	जनपद	वार्षिक भौतिक लक्ष्य (01 यूनिट = 0.02 हैक्टेयर)	वार्षिक वित्तीय लक्ष्य (₹ लाख में)
1.	अल्मोड़ा	01 यूनिट (0.02 हैक्टेयर)	1.50
2.	चम्पावत	01 यूनिट (0.02 हैक्टेयर)	2.00
3.	बागेश्वर	01 यूनिट (0.02 हैक्टेयर)	1.50
4.	पिथौरागढ़	01 यूनिट (0.02 हैक्टेयर)	1.50
5.	नैनीताल	01 यूनिट (0.02 हैक्टेयर)	1.50
6.	चमोली	02 यूनिट (0.04 हैक्टेयर)	3.00
7.	पौड़ी	01 यूनिट (0.02 हैक्टेयर)	1.50
8.	रूद्रप्रयाग	01 यूनिट (0.02 हैक्टेयर)	1.50
9.	उत्तरकाशी	01 यूनिट (0.02 हैक्टेयर)	1.50
10.	टिहरी	02 यूनिट (0.04 हैक्टेयर)	3.00
11.	देहरादून	01 यूनिट (0.02 हैक्टेयर)	1.50
योग		13 यूनिट (0.26 हैक्टेयर)	20.00

(आर० मीनाक्षी सुन्दरम)  
सचिव

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20172018

Secretary, Fisheries (S014)

आवंटन पत्र संख्या - 393/XV-3/2017-08(06)/2014, date 21.08.2017

अलोटमेंट आई डी - S1708280207

अनुदान संख्या - 028

आवंटन पत्र दिनांक -21-Aug-2017


HOD Name - Director Fisheries (4362)

- 1: लेखा शीर्षक 2405 - मछली पालन 00 -  
101 - अन्तर्देशीय मछली पालन  
02 - पर्वतीय क्षेत्रों में आदर्श मत्स्य तालाब निर्माण योजना  
00 - र

			Voted
मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
20 - सहायक अनुदान/अंशदान/राज	1000000	2000000	3000000
	1000000	2000000	3000000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

2000000

  
(वीएस0 पुन्डीर)  
उप सचिव  
पशुपालन डेरी एवं मत्स्य विभाग  
उत्तराखण्ड शासन